EHD-02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2019 एवं जनवरी 2020 सत्रों के लिए)

हिंदी काव्य
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी–02
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2019–20)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी / ई.एच.डी–02 / टी.एम.ए / 2019–20

प्रिय छात्र / छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2019 सत्र के लिए	:	**31 मार्च 2020**
जनवरी 2020 सत्र के लिए	:	**30 सितंबर 2020**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं :

1. संदर्भ सहित व्याख्या
2. निबंधात्मक प्रश्न
3. टिप्पणियाँ

संदर्भ सहित व्याख्या में काव्यांश का संदर्भ और अर्थ, काव्य सौंदर्य तथा काव्य भाषा की विशेषताओं को शामिल किया जाना अपेक्षित है। व्याख्येय अंशों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में देने हैं। निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखने हैं तथा टिप्पणियों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में देने हैं।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम – हिंदी काव्य
(सत्रीय कार्य : 2019–20)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी/ ई.एच.डी–02
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी–02/टी.एम.ए/2019–20
पूर्णांकः 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **10X4=40**

(क) ऐसा भेद बिगूचन भारी।
बेद कतेब दीन अरु दुनिया, कौन पुरिष कौन नारी।।
एक बूंद एकै मल मूतर, एक चाम एक गूदा।
एक जोति थैं सब उतपना, कौन बाम्हन कौन सूदा।।
माटी का प्यंड सहजि उतपना, नाद रु ब्यंद समाना।
बिनसि गयां थै का नांव धरिहौ, पढि पुनि भ्रम जाना।।
रज गुन ब्रह्मा तम गुन संकर, सत गुन हरि है सोई।
कहै कबीर एक राम जपहु रे, हिन्दू तुरक न कोई।।

(ख) झहरि झहरि झीनी बूंदनि परत मानो,
घहरि घहरि घटा छेरी है गगन में।
आनि कध्यो स्याम मोसौं ''चलौ भूलिवे कौं'' आज,
फूली न समानी, भई ऐसी हौं मगन में।।

(ग) तू हँस जीवन की सुघराई
हँस, झिलमिल हो लें तारा गन,
हँस, खिलें कुंज में सकल सुमन,
हँस, बिखरें मधु मरंद के कन,
बन कर संसृति के नव श्रम कन,
सब कह दें वह राका आई।
हँस, लें भय शौक प्रेम था या रण
हँस, ले काला पट ओढ़ मरण
हँस, ले जीवन के लघु-लघु क्षण,
देकर निज चुंबन के मधुकरण
नाविक अतीत की उतराई।

(घ) झूमती हर डाल पर बैठी
फलों से मारती
खिलखिलाती शोख हवा,
गायक मंडली से थिरकते आते गगन में मेघ,
वाद्य यंत्रों से पड़े टीले,
नदी बनने की प्रतीक्षा में, कहीं नीचे
शुष्क नाले में नाचता एक अँजुरी जल,
सभी, बन रहा है कहीं जो विश्वास
जो संकल्प हम में
बस उसी के ही सहारे हैं।

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए। **10 X 5=50**

(क) अपभ्रंश काव्य का परिचय दीजिए।
(ख) रहीम के भाव पक्ष की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
(ग) घनानंद के प्रेम निरूपण और श्रृंगार वर्णन की विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए।
(घ) 'कुरुक्षेत्र' के कथा-संयोजन की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए तथा इस काव्य के आधार पर भीष्म और युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताओं के बारे में बताइए।
(ड.) केदारनाथ अग्रवाल के काव्य की अंतर्वस्तु का विश्लेषण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : **5 X 2=10**

(क) द्विवेदी युग के प्रमुख कवि
(ख) भवानी प्रसाद मिश्र की काव्यानुभूति